मूल्य 1 रु.
वर्षः 11 - अंक : 176, मुंबई, सोमवार, 30 अगस्त, 2021 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान

दैनिक मुंबई हलचल

भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त ®

अब हर सच होगा उजागर

मुंबई में बढ़ा तीसरी लहर का खतरा

मानखुर्द चिल्ड्रन होम के 18 बच्चे

CORONA POSITIVE

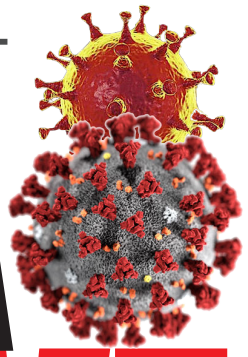

102 बच्चों की कराई गई जांच

मुंबई। मुंबई समेत पूरे महाराष्ट्र में कोरोना संक्रमण के मामलों में एक बार फिर तेजी देखी जा रही है। इस बार बच्चों के वायरस से प्रभावित होने के मामले ज्यादा आ रहे हैं। रविवार को चेंबूर इलाके में स्थित मानखुर्द चिल्ड्रन होम के 18 बच्चे कोरोना संक्रमित निकले। इनकी उम्र 9 से 17 साल तक है। इस चिल्ड्रन होम में पिछले साल भी करीब 30 बच्चे पॉजिटिव पाए गए थे।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

वर्ल्ड मेमन ऑर्गनाइजेशन के सहयोग से ब्रदरहुड फाउंडेशन द्वारा एम्बुलेंस हैंड ओवर सेरेमनी व मुफ्त मेडिकल, डेंटल और आई कैंप का आयोजन किया गया

➔ **मुंबई।** डब्ल्यूएमओ (वर्ल्ड मेमन ऑर्गनाइजेशन) के सहयोग से ब्रदरहुड फाउंडेशन द्वारा मुफ्त मेडिकल, डेंटल और आई कैंप का आयोजन किया गया और डब्ल्यूएमओ (वर्ल्ड मेमन ऑर्गनाइजेशन) की ओर से एम्बुलेंस हैंड ओवर सेरेमनी बिस्टिमोहल्ला सुन्नी जमात खाना में बॉम्बे ट्रस्ट की जुमा मस्जिद में किया गया। इस कार्यक्रम में अतुल शाह, मनोज कोटक, अमीन पटेल, रईस शेख, अमीन पठान, सोहेल खंडवानी, मुदस्सिर पटेल, अजहर छत्रीवाला, शोएब खतीब, आकाश राजपुरोहित और कई अन्य सामाजिक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

अंडरवर्ल्ड के कुख्यात गैंगस्टर फहीम मचमच ने पाकिस्तान में तोड़ा दम

कोरोना ने बनाया शिकार

संवाददाता

मुंबई। मुंबई अंडरवर्ल्ड में फहीम मचमच के नाम से कुख्यात गैंगस्टर फहीम अहमद शरीफ ने शुक्रवार को पाकिस्तान में कोरोना संक्रमण के कारण दम तोड़ दिया। दक्षिण मुंबई में रहने वाले फहीम के परिवार ने उसका अंतिम संस्कार शुक्रवार शाम एक स्थानीय कब्रिस्तान में किया, जिसमें मुट्ठी भर लोग मौजूद थे। भिंडी बाजार इलाके में पेरू लेन का रहने वाला एक मामूली गुंडा फहीम अपने जबरन वसूली रैकेट के माध्यम से तेजी से अंडरवर्ल्ड की दुनिया में अपना नाम बढ़ाता गया। फहीम डी-कंपनी के हिस्से के रूप में काम कर रहा था, जो कि एक अपराध सिंडिकेट है, जिसका संचालन फरार माफिया डॉन दाऊद इब्राहिम कास्कर करता है, जो अब कराची में है। (शेष पृष्ठ 3 पर)

महाराष्ट्रः मंत्री अनिल परब को ईडी का समन

संजय राउत बोले– यह तो होना ही था

राउत ने ट्वीट कर कहा– 'बहुत अच्छे, जैसे ही जन आशीर्वाद यात्रा संपन्न हुई अनिल परब को ईडी का नोटिस मिल गया। केंद्र सरकार ने अपना काम शुरू कर दिया

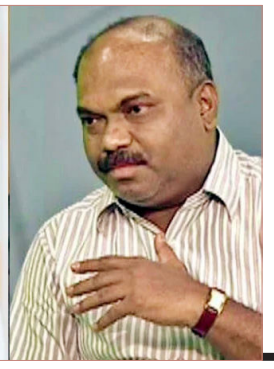

संवाददाता

मुंबई। महाराष्ट्र के परिवहन मंत्री व शिवसेना नेता अनिल परब को प्रवर्तन निदेशालय ने समन भेजकर तलब किया है। पूर्व गृह मंत्री अनिल देशमुख से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में पूछताछ के लिए उन्हें समन भेजा गया है। इस पर शिवसेना नेता संजय राउत ने प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा है कि यह तो होना ही था। पार्टी का इसका कानूनी तरीके से मुकाबला करेगी। (शेष पृष्ठ 3 पर)

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

इंसानियत पर हमला

काबुल हवाई अड्डे पर हुए धमाकों की जितनी निंदा की जाए, कम होगी। किसी मजहब की बात छोड़ दीजिए, आज इंसानियत शर्मसार है कैसानिर्मम शासन आया है, डर से लोग भाग रहे हैं और भागते लोगों पर आतंकियों ने हमला किया है। इन धमाकों में करीब सौ लोग मारे गए हैं, जिनमें 13 अमेरिकी सैनिक भी शामिल हैं। दो सौ के करीब लोग घायल हुए हैं, जो अब जीवन भर उस दहशत को याद करेंगे, जो उन्हें कथित मजहबी साये में नसीब हुई है। धिक्कार है, ऐसे लोगों पर, जिनमें रत्ती भर भी दया नहीं, जिनकी आंखों का पानी सूख गया है। जो लोग काबुल हवाई अड्डे पर जुटे थे, वे कोई दुश्मन या आतंकवादी नहीं थे। वे डरे हुए लोग हैं, जो जान बचाकर भागने में भलाई समझ रहे हैं, लेकिन उन्हें भागने से रोकने का यह कौन-सा तरीका हुआ? आज अफगानिस्तान की जमीन शर्मसार है, शायद कभी इस जमीन के लोगों को भलमनसाहत के लिए पहचाना जाता था। इनके सीधेपन की दुहाई दी जाती थी। भारत में जिस काबुलीवाले को हम जानते हैं, वह आज काबुल में कहां है? कौन काबुलीवाला रहम की भीख मांग रहा है और कौन काबुलीवाला अपनों के ही खून का प्यासा बन गया है? खैर, काबुल में चल रहे राहत अभियान को झटका लगा है, लेकिन अभियान रुका नहीं है। शोषित काबुलीवालों की वापसी फिर शुरू हो गई है। हमले के एक दिन बाद अमेरिका ने फिर अपने नागरिकों और अधिकारियों को काबुल से निकालने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। हालांकि, अमेरिका का कहना है कि विदेशी सैनिकों की वापसी की मंगलवार की समय- सीमा से पहले और हमले की आशंका है। अमेरिका अपनी जुबान का पक्का होने की कोशिश कर रहा है, लेकिन क्या तालिबान भी अपनी जुबान के पक्के हैं? अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने भले ही कह दिया हो कि वह एक-एक मौत का बदला लेंगे, लेकिन यह भला कैसे होगा? क्या अमेरिका सीधी लड़ाई के बजाय छद्म लड़ाई के पक्ष में है? अगर ऐसी कोई लड़ाई छिड़ेगी, तो अफगानिस्तान ही तबाह होगा और इसका दुष्प्रभाव दुनिया झेलेगी। जो लोग सीधी लड़ाई में नहीं सुधरे, क्या वे चुन-चुनकर बदला लेने से सुधर जाएंगे? यह गौर करने की बात है कि तालिबान का दुस्साहस बढ़ा ही इसलिए है, क्योंकि अमेरिका लौट रहा है। यह हमला पश्चिमी देशों के लिए बड़ा सबक है, जो आतंकवाद के खिलाफ पूरी तरह ईमानदार नहीं रहे हैं। ईमानदारी होती, तो न तालिबान यूं काबुल पर चढ़ आते और न अमेरिकी सैनिक शहीद होते। अपने देश में लोकतंत्र सुनिश्चित रखना और दूसरे देशों में तानाशाही या ताकत के सामने घुटने टेक देना उदारता नहीं है। ऐसी ही कथित उदारता पाकिस्तान जैसे देशों में आतंकवाद के पालन-पोषण की वजह है। अब अफगानियों को अपनी मिट्टी के प्रति सजग होना चाहिए। जो समूह अभी भी तालिबान से लोहा ले रहे हैं, उनके साथ खड़े होने का वक्त है। अफगानियों को अपना हित देखना चाहिए। ऐसे नेता या राष्ट्रपति की जरूरत नहीं, जो डर के मारे खजाना समेटकर रातोंरात नौ दो ग्यारह हो जाए। यह अफगानी मिट्टी में पैदा बंदूकधारी कायरों को नहीं, बल्कि इंसानियत के प्रति सजग वीरों और उनके संगठनों को सही मायने में मजबूत करने का वक्त है। यह काम अमेरिका के नेतृत्व में दुनिया के लोग घर बैठे कर सकते थे और कर सकते हैं।

खेल संस्कृति के संकल्प का समय

टोक्यो ओलंपिक भारत के लिए हौसला बढ़ाने वाला रहा। इस खेल महाकुंभ में हमारी अभी तक की सबसे शानदार पदक तालिका ने रोमांचित करने के साथ ही भविष्य में बेहतर प्रदर्शन की उम्मीदें भी जगाईं। इस पर उत्साहजनक प्रतिक्रिया स्वाभाविक थी। वहीं इस दौरान कुछ लोगों का क्रिकेट को अकारण निशाना बनाना अखरने वाला रहा। अपने सबसे लोकप्रिय खेल को दूसरे खेलों के लिए संसाधन और रुचि घटाने की वजह बताना अनुचित होने के साथ ही खेल भावना के विपरीत भी है। क्रिकेट हमारे राष्ट्रीय उत्साह का पर्याय रहा है। हालांकि हमेशा से ऐसा नहीं था। स्वतंत्रता के पहले और उसके काफी बाद तक हाकी भारतीय दिलोदिमाग पर छाई रही। ऐसे में यह समझना दिलचस्प होगा कि आखिर हमारे सबसे लोकप्रिय खेल की पदवी से हाकी को हटाकर क्रिकेट उस पर कैसे काबिज हुआ। दरअसल सजीव प्रसारण किसी भी खेल के आकर्षण में चार चांद लगा देता है। दुर्भाग्यवश हाकी में हमारी स्वर्णिम सफलता के दौर का टेलीविजन पर प्रसारण नहीं हो सका। भारतीय खेलप्रेमियों को जिन बातों का सबसे अधिक मलाल होगा उनमें से एक संभवतः यही हो कि तकनीकी अभाव के कारण हम उन स्वर्णिम क्षणों के बारे में सिर्फ पढ़-सुन ही पाते हैं, लेकिन कभी उन्हें देख नहीं सकते। इस मामले में क्रिकेट भाग्यशाली रहा कि हमारी टीम ने टेलीविजन के दौर में सफलताएं प्राप्त कीं, जिसका उसे फायदा मिला। किसी भी खेल में समय के साथ आकर्षण और व्यवस्थित ढंग से बढ़ता जाता है। हालांकि उसमें कुछ युगांतकारी पल भी होते हैं जो समूचे परिवेश को परिवर्तित कर देते हैं। एक निश्चित आयु वर्ग के लोगों के जेहन में 1982 की स्मृतियां अवश्य होंगी। उस वर्ष देश में एशियाई खेल आयोजित हुए थे, जिसके साथ रंगीन टीवी प्रसारण भी शुरू हुआ था। हमें बड़ी उम्मीदें थीं कि उसमें हाकी स्वर्ण पदक हम ही जीतेंगे। फाइनल दिल्ली के नए-नवेले नेशनल स्टेडियम में चिर-प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान के खिलाफ था। तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी,

राजीव गांधी और अमिताभ बच्चन जैसे दिग्गज दर्शकों में मौजूद थे। यह उन पहले आयोजनों में से एक था जब दूरदर्शन किसी बड़े मुकाबले का रंगीन सीधा प्रसारण दिखा रहा था। दुर्भाग्यवश उस मैच का परिणाम दुःस्वप्न साबित हुआ। हमारी टीम 7-1 से हार गई थी। यकीनन खेलों में खराब अनुभव होते हैं, मगर जिस मौके पर ऐसा हुआ उसे पचाना मुश्किल था। खेल इतिहासकारों के अनुसार उस हार की प्रेतबाधा हाकी प्रशंसकों की एक पीढ़ी का पीछा करती रही। 'चक दे इंडिया' की कहानी उसी मैच से प्रेरित बताई जाती है।

इसके अगले वर्ष 1983 में हमारी क्रिकेट टीम ने इंग्लैंड में विश्व कप जीता। भारत में रंगीन टेलीविजन की सबसे शुरूआती और शाश्वत स्मृतियों में से एक वही रही जिसमें कपिल देव प्रूडेंशियल कप उठाए हुए नजर आए। यह संभवतः खेल में बदलाव या यूं कहें कि जीवन परिवर्तित करने वाली उपलब्धि साबित हुई। इसने खेलों के प्रति हमारी सामान्य धारणा ही बदल दी। कालांतर में क्रिकेट में मिली सफलताओं से इसे और बल मिला। एक ऐसे समय में जब विभिन्न मानकों पर हम विश्वस्तरीय प्रतिमानों से बहुत पीछे थे, जिस दौर में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्वीकार्यता दुर्लभ थी तब क्रिकेट में हमारी उपलब्धियां उत्कृष्टता के जीवंत प्रतीक के रूप में प्रतिष्ठित हुईं। देश में सीमित ओवर क्रिकेट निरंतर आगे बढ़ता रहा। वर्ष 1983-85 के बीच हमने चार बड़े टूर्नामेंट जीते। इस बीच हाकी का दुर्भाग्य रहा कि उसी अवधि में हमारी टीम का पराभव होता गया। वर्ष 1980 के मास्को ओलंपिक में स्वर्ण की इकलौती सफलता को छोड़ दिया जाए तो उस दौर में हम बड़े स्तर पर अपनी आभा गंवाते गए। जहां अतीत की जो चमत्कारिक सफलताएं टीवी पर नहीं दिखाई जा सकीं, वहीं बाद में लगातार ऐसे लचर प्रदर्शन का टीवी पर सीधा प्रसारण होता रहा। यह पृष्ठभूमि शायद उन दिलचस्प परिस्थितियों के संदर्भों को समझाने में सहायक हो जिनमें क्रिकेट ने हाकी को पीछे छोड़ दिया। निःसंदेह पिछले कुछ वर्षों में भारतीय हाकी का पुनरोत्थान हुआ है और ओलंपिक के प्रदर्शन ने खेलप्रेमियों को और उत्साहित किया है। प्रशंसकों को यह स्मरण और भी अधिक संतोष की अनुभूति कराता है कि ओलिंपिक से कुछ साल पहले 2017 की चैंपियंस ट्राफी में हमने पाकिस्तान को पटखनी दी थी। संयोग से जीत का अंतर 7-1 ही था। दरअसल खेलों की दुनिया में हिसाब चुकाने का अपना अलग ही स्वाद होता है। यह सच है कि हाकी या कोई अन्य खेल सरकारी प्रोत्साहन एवं कारोबारी प्रायोजन के अतिरिक्त जनता की दिलचस्पी और मीडिया कवरेज से ही लाभान्वित होगा। क्रिकेट से ईर्ष्या कर कोई लाभ नहीं होने वाला। यह नहीं विस्मृत किया जाना चाहिए कि सफलता का कोई अन्य विकल्प नहीं और प्रत्येक क्षेत्र में उत्कृष्टता को ही प्रतिष्ठा प्राप्त होती है। इसमें कोई संदेह नहीं कि हमारे एथलीटों और खिलाड़ियों के लिए खेल विज्ञान एवं पोषण से लेकर बुनियादी ढांचे और प्रशिक्षण में बेहतर सुविधाएं आवश्यक हैं। मैं दो मूलभूत बदुओं की ओर विशेष ध्यान आकृष्ट कराना चाहूंगा। एक बुनियादी ढांचा और दूसरा प्रशिक्षण। खासतौर से छोटे शहरों में इनका विस्तार किया जाए। अमूमन इन्हीं क्षेत्रों से हमें चैंपियन भी मिले हैं। साथ ही एक समाज के रूप में हमें यह भी ध्यान रखना चाहिए कि खेलों में सफलता की दर न्यून होती है। यदि कोई एथलीट शीर्ष पर पहुंचता है तो वहीं पर्याप्त प्रयासों के बावजूद अनेक खिलाड़ी उस मुकाम को पाने में असफल रहते हैं। प्रतिस्पर्धी खेलों की यही प्रकृति और नियति है।

यूपी में नाम बदलने की राजनीति

चुनाव से पहले नेता निजी तौर पर और पार्टियां सांगठनिक तौर पर भावनात्मक मुद्दों की तलाश करते हैं। जो सरकार में होता है उसे एडवांटेज होता है कि वह चुनाव से पहले खैरात बांटना, नियुक्तियां करना और बरसों से अटके फैसले करना शुरू कर देता है। इसी तर्ज पर अगले साल होने वाले चुनाव से पहले उत्तर प्रदेश, पंजाब आदि राज्यों की सरकारें किसानों को पटाने के लिए मुकदमे वापस लेने लगी हैं और गन्ने की कीमत बढ़ाई जाने लगी है। भारतीय जनता पार्टी इससे एक कदम आगे बढ़ कर हिंदू भावनाओं को संतुष्ट करने के लिए गांव, शहर आदि के नाम और साथ साथ मुहावरे और लोकोक्तियां भी बदलने लगी है। पिछले दिनों हरियाणा की भाजपा सरकार ने ह्यगोरखधंधाह्न शब्द का इस्तेमाल बंद करा दिया क्योंकि इससे गुरू गोरखनाथ के भक्तों की भावनाएं कथित तौर पर आहत हो रही थीं। ध्यान रहे उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री गोरखनाथ पीठ के महंत हैं और अगले साल उनका चुनाव है। इसलिए हरियाणा सरकार के फैसले के पीछे का तर्क समझने के लिए ज्यादा दिमाग लगाने की जरूरत नहीं है। इस बीच दिल्ली में भारतीय जनता पार्टी के नेताओं ने हुमायूंपुर का नाम बदल कर हनुमानपुर करने की मांग की है। हो सकता है कि कुछ दिनों में इस पर कार्रवाई हो जाए। उधर उत्तर प्रदेश सरकार ने लगता है कि पूरे राज्य के मुस्लिम नाम वाले शहरों और गांवों की सूची बनवा ली है और सबका नाम बदलने का फैसला कर लिया है। कहा जा रहा है कि सुल्तानपुर का नाम बदल कर भगवान राम

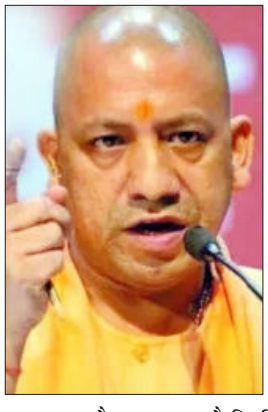

के पुत्र कुश के नाम पर कुश भवानीपुर करने की तैयारी है। हालांकि ऐसा नहीं है कि सुल्तानपुर के लोग इसके लिए आंदोलन कर रहे थे और इसलिए सरकार नाम बदल रही है। इसके उलट वहां के लोग खुद को सुल्तापुरिया कहलवाने में गर्व करते हैं पर सरकार को लग रहा है कि इसका नाम बदल देना चाहिए तो वह बदल रही है। इसी तरह अलीगढ़ का नाम बदल कर हरिगढ़ किए जाने की चर्चा है। सोचें, फिर अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी के नाम का क्या होगा? अलीगढ़ी ताले को क्या उसके बाद हरिगढ़ी ताला कहा जाने लगेगा? बहरहाल, उत्तर प्रदेश में भाजपा के नेताओं ने गाजीपुर का नाम बदल कर गाधिपुरी करने की मांग की है। उनका कहना है कि प्राचीन काल में यह जगह महर्षि विश्वामित्र के पिता गाधि की राजधानी थी इसलिए इसका नाम गाधिपुरी होना चाहिए। बस्ती जिले का नाम बदल कर वशिष्ठनगर करने की मांग हुई है तो कहा जा रहा है कि फिरोजाबाद का नाम बदल कर चंद्रनगर कर दिया जाएगा। मिजार्पुर को विंध्यधाम बनाने की मांग भी हो रही है और सरकार इस पर गंभीरता से विचार कर रही है। गौरतलब है कि कुछ दिन पहले ही इलाहाबाद का नाम प्रयागराज किया गया और फैजाबाद जिले का नाम बदल कर भी अयोध्या किया जा चुका है। ऐसा लग रहा है कि भारी आर्थिक संकट झेल रहे और जीवन में दस तरह की मुश्किलों का सामना कर रहे हिंदुओं की भावनाओं को संतुष्ट करने के लिए अगले कुछ दिन में मुस्लिम नाम वाले शहरों और जिलों का नाम बदला जाएगा।

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर, एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन:**9619102478 /9821238815**
email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस खान,** समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

कोकीन बरामदगी के मामले में पूछताछ के बाद

अभिनेता अरमान कोहली गिरफ्तार

मुंबई। स्वापक नियंत्रण ब्यूरो (एनसीबी) ने रविवार को बताया कि अभिनेता अरमान कोहली को उनके घर से कोकीन बरामद होने और उस सिलसिले में दक्षिण मुंबई स्थित जांच एजेंसी के कार्यालय में घंटों की पूछताछ के बाद गिरफ्तार कर लिया गया है। एक अधिकारी ने बताया कि एनसीबी की टीम ने शनिवार शाम को कोहली के आवास पर छापेमारी की कार्रवाई की थी और उसके बाद पूछताछ के लिए उन्हें एजेंसी के कार्यालय ले गई थी। उन्होंने बताया कि कुछ घंटों की पूछताछ के बाद कोहली के खिलाफ एनडीपीएस कानून के तहत एक मामला दर्ज किया गया और उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। अधिकारी ने बताया कि कोहली की गिरफ्तारी की जानकारी मीडिया को रविवार सुबह 10 बजे दी गई। उन्होंने बताया कि कोहली को सोमवार तक एनसीबी की हिरासत में भेज दिा गया है। सूत्रों ने रविवार को बताया कि कोहली के घर से थोड़ी मात्रा में कोकीन मिली थी, जिसके बाद उनके खिलाफ एक मामला दर्ज किया गया

था और उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। कोहली ने सलमान खान अभिनीत फिल्म 'प्रेम रतन धन पायो' सहित कई फिल्मों में अभिनय किया है और टीवी रियलिटी शो बिग बॉस के भी प्रतिभागी रहे हैं। कोहली के खिलाफ कार्रवाई शुक्रवार को टीवी कलाकार गौरव दीक्षित की एनसीबी द्वारा की गई गिरफ्तारी के बाद की गई है। अधिकारी ने बताया कि एनसीबी ने कोहली से पूछताछ का फैसला मादक पदार्थ के मुख्य विक्रेता अजय राजू सिंह से शनिवार को हिरासत में लेकर की गई पूछताछ के दौरान हुए कुछ 'खुलासों' के बाद किया। सिंह को भी एनडीपीएस कानून के तहत गिरफ्तार किया गया है। अधिकारी ने बताया कि सिंह को शनिवार को हाजी अली के पास पकड़ा गया और उसके पास से 25 ग्राम एमडी नामक मादक पदार्थ मिला। सिंह के खिलाफ वर्ष 2018 में मुंबई पुलिस की मादक पदार्थ रोधी प्रकोष्ठ ने भी मामला दर्ज किया था, तब उसके पास से बड़ी मात्रा में एफेड्रिन मिली थी। अधिकारी ने बताया, 'सिंह से पूछताछ के बाद हमने शनिवार दोपहर बाद अभियान चलाया। इसी के तहत एनसीबी की टीम ने अरमान कोहली के घरों पर छापेमारी की कार्रवाई की और थोड़ी मात्रा में कोकीन बरामद की। इसके बाद उनके खिलाफ मामला दर्ज किया गया और उनकी गिरफ्तारी दिखाई गई।' उन्होंने बताया कि प्रारंभिक जांच में खुलासा हुआ है कि कोहली के घर से मिला कोकीन का उत्पादन दक्षिण अमेरिका में हुआ है। अधिकारी ने बताया, एनसीबी उस रास्ते और उन कड़ियों का पता लगाने की कोशिश कर रहा है जिसके जरिये जब्त कोकीन मुंबई पहुंचा। हम अन्य तस्करों की संलिप्तता का भी पता लगा रहे हैं।

एंटी नारकोटिक्स सेल की बड़ी कार्रवाई, 4 करोड़ की ड्रग्स जब्त

मुंबई। मुंबई क्राइम ब्रांच की एंटी नार्कोटिक्स सेल की बांद्रा युनिट ने एक नाइजेरियन को तकरीबन एक किलो 300 ग्राम कोकीन ड्रग्स के साथ अरेस्ट किया है। जानकारी के मुताबिक एंटी नार्कोटिक्स सेल की युनिट को 26 अगस्त 2021 को यह खबर मिली थी कि एक अफ्रीकी मूल का नागरिक शहर के खार वेस्ट इलाके में कोकीन बेचने के लिए आनेवाला है। इस सूचना के आधार पर बताई गई जगह पर एएनसी की टीम ने जाल बिछाकर आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी की तलाशी के दौरान उसके पास से एक काले रंग की बैग में एक किलो 300 ग्राम हाई ग्रेड कोकीन जब्त की गई। इस ड्रग्स की कीमत तकरीबन 3 करोड़ 90 लाख बताई गई है।

शांति नगर पुलिस के हत्ते चढ़े भिवंडी शहर के तीन मोटरसाइकल चोर

संवाददाता/समद खान

ठाणे। भिवंडी शहर में लगातार हो रही मोटरसाइकल चोरी की वारदात ने पूरे शहर वालो की रातो की नींद हराम कर दी और वही शातिर मोटरसाइकल चोर को पकड़ने के लिए पुलिस ने जी जान लगा दी। क्योंकि शातिर चोरों को पकड़ना पुलिस के लिए चुनौती बन गईं थी भिवंडी शहर के डीसीपी योगेश चौहान के आदेश पर उनके अंतर्गत आने वाला जितना भी पुलिस स्टेशन है उनको सतर्कता से गश्त करने के आदेश दिए जिसके बाद भिवंडी पूर्व विभाग के सहायक आयुक्त प्रशांत डोले शांति नगर पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक शीतल राऊत के मार्गदर्शन पर गुप्त

सूचना के आधार पर पुलिस की एक टीम ने कार्रवाई करते हुए तीन चोरों को गिरफ्तार किया गया जिनका नाम बताया जा रहा है मोहम्मद फैजान इस्लाम अंसारी 19 वर्ष रहिवासी भिवंडी के खंडो पाड़ा का रहने वाला है दूसरा आरोपी कामिन अली अमजद अली 20 वर्ष रहवासी भिवंडी खान कंपाउंड का बताया जा रहा है यह दोनों आरोपियों के पास से अलग-अलग इलाकों से चुराई गई 7 मोटरसाइकिल पुलिस ने बरामद की और वही पुलिस की दूसरी टीम ने तीसरा चोर मंगल बाजार के निवासी फैसल अहमद फिरोज अंसारी 21 वर्ष के पास से पुलिस ने चोरी किए गए दो मोबाइल फोन और एक मोटरसाइकिल को बरामद किया गया यह तीनों आरोपियों को गिरफ्तार करके पुलिस ने 10 मामले का खुलासा करते हुए 363000 रुपये का माल बरामद किया फिलहाल शांति नगर का पुलिस का सराहनीय काम रहा और अब यह तीनों मोटरसाइकल चोर को पुलिस ने सलाखों के पीछे भेज दिया।

(पृष्ठ 1 का शेष)

मुंबई में बढ़ा तीसरी लहर का खतरा

चिल्ड्रन होम के कोरोना पॉजिटिव बच्चों को वाशी नाका स्थित आइसोलेशन सेंटर में रखा गया है। डॉक्टर लगातार बच्चों के स्वास्थ्य पर नजर बनाए हुए हैं। चिल्ड्रन होम प्रबंधन की तरफ से बताया गया कि बच्चों का रेगुलर हेल्थ चेकअप कराया जाता है। पिछले महीने एक बच्चे को रत्नागिरि जिले से यहां लाया गया। उस समय उसकी कोरोना जांच पॉजिटिव निकली थी। उसे तब तक आइसोलेशन सेंटर में रखा गया, जब तक वह निगेटिव नहीं हो गया। उस बच्चे के शरीर में कोरोना के एक भी लक्षण नहीं बचे, लेकिन कुछ दिन बाद ही कई बच्चों में कोरोना के लक्षण दिखने लगे। इसके बाद चिल्ड्रन होम के 102 बच्चों की कोरोना जांच कराई गई। रिपोर्ट आने पर 18 बच्चे पॉजिटिव पाए गए हैं। गौरतलब है कि मानखुर्द चिल्ड्रन होम में पिछले साल भी 30 बच्चे कोरोना संक्रमित पाए गए थे। उस समय चिल्ड्रन होम के कुल 269 बच्चों की जांच कराई गई थी, जिनमें से 84 में कोरोना के लक्षण पाए जाने पर उनकी कोरोना जांच की गई। जांच में 30 बच्चे कोरोना पॉजिटिव पाए गए थे।

महाराष्ट्र के मंत्री अनिल परब को ईडी का समन

अनिल परब राज्य की उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली महाविकास अघाड़ी सरकार के विधायी कार्य मंत्री भी हैं। उन्हें मुंबई स्थित ईडी के जांच अधिकारी के समक्ष मंगलवार को पेश होने का कहा गया है। शिवसेना नेता व सांसद संजय राउत ने मामले में ट्वीट कर कहा कि अनिल परब को ईडी का नोटिस मिला है। जांच एजेंसी से ऐसे ही नोटिस की 'उम्मीद' थी। पार्टी इसका कानूनी तौर पर मुकाबला करेगी। राउत ने ट्वीट कर कहा- 'बहुत अच्छे, जैसे ही जन आशीर्वाद यात्रा संपन्न हुई अनिल परब को ईडी का नोटिस मिल गया। केंद्र सरकार ने अपना काम शुरू कर दिया। भूकंक का केंद्र रत्नागिरी था। परब इस जिले के प्रभारी मंत्री हैं। क्रोनोलॉजी को समझिए। हम कानूनी नोटिस का मुकाबला कानूनी तौर पर करेंगे। जय महाराष्ट्र'। भूकंप के केंद्र को लेकर राउत का इशारा केंद्रीय मंत्री नारायण राणे को हाल ही में रत्नागिरी जिले से गिरफ्तार किए जाने को लेकर था। बता दें, इस मामले में देशमुख को भी ईडी ने पांच बार समन भेज कर तलब किया है। लेकिन वे अब तक एक बार भी जांच एजेंसी के समक्ष पेश नहीं हुए हैं। इसके खिलाफ वे सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर चुके हैं। महाराष्ट्र में 100 करोड़ रुपये के रिश्वत सह फिरौती मामले की ईडी जांच कर रहा है। यह महाराष्ट्र पुलिस में भ्रष्टाचार से जुड़ा मामला है, जिसे लेकर मुंबई के पूर्व आयुक्त परम बीर सिंह ने आरोप लगाए हैं। परमबीर सिंह के आरोपों के चलते ही अप्रैल में देशमुख को गृह मंत्री पद से इस्तीफा देना पड़ा था। सीबीआई भी 100 करोड़ रुपये के भ्रष्टाचार के केस को लेकर केस दर्ज कर चुकी है। देशमुख का कहना है कि परमबीर सिंह ने ये आरोप मुंबई के पुलिस आयुक्त पद से हटा जाए के बाद दुर्भावनावश लगाए हैं।

अंडरवर्ल्ड के कुख्यात गैंगस्टर फहीम मचमच ने पाकिस्तान में तोड़ा दम

संयुक्त अरब अमीरात में रहने वाले दाऊद के एक पूर्व सहयोगी ने बताया कि एक समय था जब फहीम रफीक भाई के उपनाम का इस्तेमाल करते हुए बॉलीवुड की विभिन्न हस्तियों को फोन करता था। इसमें उनके दिल में आतंक पैदा हो जाता था, जो उसकी मांगें तुरंत मान लेते थे। स्कूल की पढ़ाई बीच में ही छोड़ने वाला फहीम जल्द ही छोटा शकील का करीबी बन गया, जिसे दाऊद का दाहिना हाथ माना जाता है। फहीम को मुंबई पुलिस ने 1995 में जबरन वसूली, जान से मारने की धमकी आदि के विभिन्न गंभीर आरोपों में गिरफ्तार किया था, लेकिन वह एक अदालत से जमानत हासिल करने में सफल रहा। उस साल दुबई भागने की कोशिश करते हुए उसे फिर से मुंबई अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे से पकड़ा गया था, लेकिन पुलिस की आपत्तियों के बावजूद, फहीम को फिर से जमानत मिल गई। अपनी दूसरी जमानत का लाभ उठाते हुए फहीम दुबई भाग गया। वह किसी तरह दो दशकों से अधिक समय तक मुंबई पुलिस के चंगुल से बाहर रहने में कामयाब रहा।

रास्तों में खड्डे और गंदगी से परेशान रहिवासी

मुंबई। बैकबे बस डिपो से अंदर जाने वाले रास्ते पर इतनी गंदगी और रास्तों पर इतने सारे खड्डे हैं और खंडों में पानी भरे हुए हैं। इतने दिनों से वह पानी भरा हुआ है उसमें कई कई तरीके से बीमारियां पैदा हो रही है और आने जाने वाले लोगों को भी बहुत परेशानी है और उस कचरे में से इतनी बास आती है जो लोग सूंघ के बीमार हो सकते है और उन्हें डेंगू हो सकते हैं। कई कई तरीकों से बीमारी हो सकती है। लेकिन प्रशासन अभी तक उस मुद्दों पर ऑब्जेक्शन कुछ नहीं कर रही है ना रोड बना रहे हैं उस विषय पर कांग्रेस पार्टी के युवा नेता विशाल सिंह का कहना है कि हमने कई बार कंप्लेंट भी करी हैं वहां के जो रहिवासी है उन्होंने भी कई बार हमारे पास समस्या है लेकर आये वहां के लोगों ने भी बहुत बार कंप्लेंट किया है मगर उन मुद्दों पर अभी तक कोई कार्यवाही नहीं की गई है। हमारी यह प्रशासन से अपील है कि जो भी है उसे जल्द से जल्द कारवाई की जाए।

केरल का अफगान कनेक्शन सामने आने के बाद भारत की बढ़ी चिंता

काबुल बम विस्फोट से जुड़े केरल के 14 युवाओं के तार, हाल ही में ली आईएसआईएस-के की सदस्यता

संवाददाता / नई दिल्ली

अफगानिस्तान की राजधानी काबुल में एयरपोर्ट पर धमाका करने वाले आतंकवादी संगठन इस्लामिक स्टेट ऑफ खुरासन (आईएसआईएस-के) में केरल 14 लोग भी शामिल हैं। बताया जाता है कि इन लोगों को तालिबान ने बगराम जेल से रिहा किया था। केरल के 14 रहवासी अफगानिस्तान में आईएसआईएस-के का हिस्सा बने हैं। यह समझा जा रहा है कि इन 14 केरलवासियों में से एक ने अपने घर से संपर्क किया था, जबकि 13 का अब तक कोई पता नहीं है।

2014 में मोसुल में खुद को इस्लामिक स्टेट कहने वाले आतंकी संगठन का कब्जा होने के बाद मलप्पुरम, कासरगोड़ और कन्नूर जिलों से एक समूह जिहादियों के साथ शामिल होने के लिए भारत छोड़कर भाग गया था। इनमें से कुछ परिवार आईएसआईएस-के के तहत अफगानिस्तान के नंगरहार प्रांत में रहने लगे थे।

> केरल से भागकर आतंकी गतिविधियों में हिस्सा लेने वाले केरल के युवाओं को तालिबान ने बगराम जेल से रिहा किया तो वे आईएसआईएस-के का हिस्सा बन गए हैं। ये युवा काफी पहले केरल के मलप्पुरम, कासरगोड़ और कन्नूर जिलों से मोसूल पहुंचे थे और वहां से अफगानिस्तान चले गए।

खास बातें

- काबुल पर कब्जे के बाद तालिबान ने जेल छोड़ दिए थे केरल के 14 लोग
- आतंकी मंसूबों को साधने में किया जा रहा इन युवाओं का इस्तेमाल

तालिबान ने इस पर अब तक नहीं तोड़ी चुप्पी

रिपोर्ट के मुताबिक, भारत इस बात को लेकर चिंतित है कि तालिबान और उसके साथी इन कट्टरपंथी केरलवासियों का इस्तेमाल कर भारत की छवि को नुकसान पहुंचाएंगे। हालांकि, तालिबान ने अभी तक इस मामले पर चुप्पी साध रखी है, लेकिन खुफिया रिपोर्ट्स दिखाती हैं कि 26 अगस्त को काबुल एयरपोर्ट पर धमाका होने के बाद ही इन पाकिस्तानी नागरिकों से आईईडी बरामद हुआ था। रिपोर्ट में अफगानिस्तान से आ रही रिपोर्ट्स के हवाले से बताया गया है कि काबुल हक्कानी नेटवर्क के नियंत्रण में है, क्योंकि पाकिस्तान की सीमा से लगे नंगहार प्रांत में जादरान पश्तून कबीले का प्रभाव है और इसके अलावा जलालाबाद-काबुल में वह प्रभावी है। आईएसआईएस-के पहले भी नंगरहार प्रांत में हक्कानी नेटवर्क के साथ काम कर चुका है।

जेल से छूटकर आईएसआईएस-के में शामिल हो गए थे

अफगानिस्तान के काबुल एयरपोर्ट पर फिदायनी हमलों के बाद बड़ा खुलासा सामने आया है। इस खुलासे के बाद भारत की चिंता बढ़ गई है। काबुल पर कब्जा जमाने के बाद तालिबान ने बगराम जेल से केरल के 14 लोगों को रिहा कर दिया और ये सभी आतंकी समूह इस्लामिक स्टेट ऑफ खुरासान प्रांत शामिल हो गए हैं। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो आतंकी संगठन में शामिल हुए केरलवासी 26 अगस्त को काबुल में तुर्कमेनिस्तान दूतावास के बाहर विस्फोट करने की साजिश रची, हालांकि, सुरक्षाबलों ने नाकाम कर दिया। सूत्रों के अनुसार इसमें दो पाकिस्तानियों के पकड़े जाने की भी खबर है।

14 में से एक ने अपने घर वालों से किया था संपर्क

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, 14 केरलवासियों में से एक ने अपने घर से संपर्क किया, जबकि शेष 13 अभी भी काबुल में इस्लामिक स्टेट ऑफ खुरासान प्रांत यानी आईएसआईएस-के आतंकवादी समूह के साथ फरार हैं। 2014 में इस्लामिक स्टेट ऑफ सीरिया और लेवंत के मोसुल पर कब्जा करने के बाद मलप्पुरम, कासरगोड और कन्नूर जिलों के रहने वाले केरलवासी मध्य पूर्व में जिहादी समूह यानी इस्लामिक स्टेट में शामिल होने के लिए भारत से चले गए थे। इसमें से कुछ आतंकियों के परिवार आईएसके पी के तहत बसने के लिए अफगानिस्तान के नंगरहार प्रांत पहुंच गए।

पाक में घुसने की कर रहे थे कोशिश

अफगानों पर पाक सैनिकों ने बरसाई गोलियां, 6 की मौत

संवाददाता / काबुल

पाकिस्तानी सेना ने तालिबान के डर से देश छोडकर भाग रहे अफगान नागरिकों पर गोलियां चलाई हैं। बताया जा रहा है कि पूर्वी नंगरहार प्रांत के तोरखम में पाक सेना की गोलीबारी में छह अफगान नागरिक मारे गए हैं। तोखतम अफगानिस्तान का एक सीमाई शहर है, जहां से पाकिस्तान में प्रवेश करने के लिए बॉर्डर चेकपॉइंट बनाई गई है। हजारों की संख्या में अफगान नागरिकों को अपनी तरफ आते देख पाकिस्तानी सैनिकों ने फायरिंग शुरू कर दी। ये लोग तालिबान के जुल्मों-सितम से जान बचाने के लिए पाकिस्तान में अवैध रूप से प्रवेश करना चाहते थे।

टिपन बोल्डक में भी हुई थी ऐसी ही घटना

इस गोलीबारी में छह अफगान नागरिकों के मारे जाने की पुष्टि हुई है, जबकि कई दूसरे घायल बताए जा रहे हैं। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इस घटना पर अफगानिस्तान के नंगरहार प्रांत के अधिकारियों ने अभी तक कोई प्रतिक्रिया नहीं की है। पाकिस्तानी सेना ने इसी महीने 13 अगस्त को स्पिन बोल्डक बॉर्डर पर अफगान नागरिकों के ऊपर फायरिंग की थी। ये लोग कई महीनों से पाकिस्तान में फंसे हुए हैं। कड़ी धूप में इंतजार कर रहे अफगान नागरिक की मौत के बाद भड़के लोगों को काबू करने के लिए पाक सेना ने गोलियां चलाई थी।

4,000 अफगान लोगों के ठहरने की व्यवस्था कर रहा है पाकिस्तान

पाकिस्तान अफगानिस्तान से आने वाले करीब 4,000 लोगों के ठहरने का इंतजाम कर रहा है, जिनमें ज्यादातर अफगान नागरिक हैं। ये लोग एक सीमित अवधि के लिए पाकिस्तान में रुकेंगे। अमेरिकी दूतावास ने पाकिस्तान सरकार से अफगानिस्तान से पूरी तरह से उसके सैनिकों की वापसी के लिए तय 31 अगस्त की समय सीमा से पहले निकासी के प्रयासों में मदद करने अनुरोध किया था। अधिकारियों ने कहा कि दूतावास ने तीन श्रेणियों के तहत यात्रियों को ठहराने या स्थानांतरित करने की अनुमति मांगी, जो अमेरिकी राजनयिक/नागरिक, अफगान नागरिक और अन्य देशों के लोग हैं।

केंद्रीय मंत्री के हाथों पत्रकार राजेश जायसवाल को मिला 'कोरोना योद्धा सम्मान'

मुंबई। पुणे, नाशिक से एक साथ प्रकाशित हिंदीभाषियों का लोकप्रिय हिंदी दैनिक अखबार 'हमारा महानगर' की 16वीं वर्षगांठ पर पवई स्थित अखबार के दफ्तर में सदिच्छा भेंट देने पहुंचे केंद्रीय सामाजिक न्याय और अधिकारिता राज्य मंत्री व 'रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया' (आरपीआई) के सुप्रीमों रामदास आठवले ने वरिष्ठ पत्रकार व 'पत्रकार एकता संघ मुंबई' के सचिव राजेश जायसवाल को 'कोरोना योद्धा सम्मान पत्र' व 'स्मृति चिन्ह' देकर सम्मानित किया। इस मौके पर केंद्रीय मंत्री ने कहा कि 'कोरोना काल' में मीडियाकर्मी गंभीर में गंभीर परिस्थिति में भी अपना काम लगातार कर रहे हैं, परन्तु तमाम मांगों के बावजूद भी महाराष्ट्र सरकार ने पत्रकारों को 'कोविड योद्धा' घोषित नहीं किया। हमने इसकी मांग की थी। केंद्रीय मंत्री श्री आठवले ने कविता के माध्यम से अपने चिर-परिचित अंदाज में 'हमारा महानगर परिवार' को शुभकामनाएं दी। उक्त अवसर पर 'उत्तर भारतीय संघ युवा मोर्चा' के अध्यक्ष संजय सिंह, कार्यकारी संपादक राघवेंद्र नाथ द्विवेदी, शहर संपादक उदयराज यादव, मंत्रालय प्रतिनिधि जितेन्द्र मिश्र, भानुप्रकाश मिश्र सहित कई अन्य लोग मौजूद रहे।

भाजपा की जन आशीर्वाद यात्रा पर बोले उप मुख्यमंत्री अजीत पवार, कोरोना के मामले बढ़े तो जिम्मेदार कौन होगा?

मुंबई। महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री अजीत पवार ने कोरोना वायरस के संकट भरे समय में 'जन आशीर्वाद यात्राओं' के आयोजन के लिए भारतीय जनता पार्टी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि ये रैलियां राज्य में कोरोना संकट को फिर से पैर पसारने का मौका देने का काम कर रही हैं और इसका अंजाम आने वाले दिनों में दिखेगा। पवार ने कहा कि एक ओर केंद्र सरकार हमसे उचित मानक लागू करने के लिए (कोविड-19 संक्रमण की रोकथाम के लिए) कह रही है और दूसरी ओर यह अपने चार नए मंत्रियों से (महाराष्ट्र से) रैलियां यात्राएं निकालने के लिए कह रही है। पवार ने कहा कि इन रैलियों में जमा हो रही भीड़ से स्पष्ट रूप से कोविड के प्रसार पर पड़ेगा। उप मुख्यमंत्री पवार ने आगे कहा कि आने वाले दिनों में हम इन रैलियों का असर उन स्थानों पर देखेंगे जहां-जहां इनका आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने सवाल उठाया कि अगर उन स्थानों पर ऐसा (कोरोना वायरस संक्रमण के मामलों में वृद्धि) होता है जहां पर इन रैलियों का आयोजन हुआ है, तो इसके लिए फिर जिम्मेदार कौन होगा?

धारावी झुग्गी बस्ती में एलपीजी सिलेंडर फटने से 17 घायल, पांच की हालत गंभीर

संवाददाता

मुंबई। मुंबई के धारावी में रविवार को एलपीजी सिलेंडर फटने से एक झुग्गी में मामूली आग लग गई, जिसमें 17 लोग घायल हो गए। इनमें पांच लोगों की हालत गंभीर है। दमकल विभाग के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि इस घटना में जो पांच लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं, उनमें आठ साल का एक लड़का भी है। उन्होंने बताया कि घटना दोपहर में शाहू नगर इलाके में हुई। घायल लोगों को पास के सायन अस्पताल ले जाया गया। अधिकारी ने बताया, एक झोपड़ी के बाहर रखे एक एलपीजी सिलेंडर में विस्फोट हो गया, जिससे आग लग गई। उसमें 17 लोग झुलस गए और उन्हें पास के सायन अस्पताल में भर्ती कराया गया। मौके पर पहुंची दमकल की तीन गाड़ियों ने आग पर काबू पा लिया। पुलिसकर्मी और नगर निगम के कर्मचारी घटनास्थल पर मौजूद हैं। उन्होंने कहा, 17 घायलों में से 12 लोग- सात पुरुष और पांच महिलाएं खतरे से बाहर हैं, लेकिन पांच अन्य की हालत गंभीर है और उनमें से दो 50 से 60 प्रतिशत झुलस गए हैं। जिनकी हालत गंभीर है, उनमें तीन पुरुष और दो महिलाएं शामिल हैं। अधिकारी ने बताया कि जांच के दौरान दमकल कर्मियों ने पाया कि सिलेंडर से गैस का रिसाव हो रहा था, इसलिए इसे झोपड़ी के बाहर रखा गया था।

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

बुलढाणा हलचल

महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस कमेटी में एक भी मुस्लिम कद्दावर लीडर चयन न होने पर जिला के मुस्लिम तबके में नाराजगी, जिला में कांग्रेस मुस्लिम लीडर की भरमार

संवाददाता/अशफाक युसुफ

बुलडाणा। देश में विगत 70 सालों से मुस्लिम समाज कांग्रेस पार्टी से ही जुड़ा हुआ है और शुरूआत से ही मुस्लिम समाज के कई लोगों ने कॉंग्रेस का दामन थामा हुआ है। लेकिन हाल ही में कॉंग्रेस राज्य स्तर पर राज्य कार्य समिति की स्थापना हुई जिसमें जिले से मुस्लिम नेता नियुक्त ना होने से जिले के मुस्लिम तबके में नाराजगी व्यक्त की जा रही है। बुलढाणा जिले के कुछ नेताओं ने कांग्रेस पार्टी को अपनी जाहगीर समझ कर रखी है। लेकिन उन्हें भी यह ध्यान रखना चाहिए। कांग्रेस पार्टी हर कार्यकर्ता की पार्टी है, जब वह कार्यकर्ता पार्टी के लिए अहम भूमिका निभाकर पार्टी को मजबूत करने के लिए काम करता है उसी की मेहनत की बदौलत पार्टी उसे पद देख कर नियुक्त करती है। लेकिन यह नियुक्ति ऐसा लग रहा है कि कुछ नेताओं ने कांग्रेस पार्टी को अपनी विरासत समझ लिया। मुस्लिम नेताओं ने कांग्रेस पक्ष को बढ़ाना देने के लिए अपनी जिंदगी कॉंग्रेस पार्टी मे गुजार दी ऐसे

मुस्लिम गद्दवार नेता भी उम्मीद लगाए थे कि इस बार भी उनको मौका मिले लेकिन जिले के कुछ नेताओं की वजह से यह मौका नहीं नहीं मिल पाया ऐसा भी कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं में चर्चा जारी है। जिले मे कुछ कांग्रेस नेताओं ने यह समझ लिया है के मुस्लिम लीडर कांग्रेस को छोड़ कर नहीं जा सकते। और ना ही बीजेपी में जा सकते ऐसी उन्होंने सोच बना लिया है। इस लिए जिला कांग्रेस लीडर ने मुस्लिम लीडर को नियुक्त नहीं किया है। राज्य कार्य समिति कि सुची मे जिले के मुस्लिम लिडरों के नाम भी शामिल थे। लेकिन कुछ कॉंग्रेस नेताओ ने ईन नामों को सुची से काट दीया ऐसी भी जानकारी मिली है। यह कहावत है के 'छुपे दुश्मन से बेहतर होना खुला दुश्मन बेहतर है' ये कहावत ने जिला कांग्रेस ने मुस्लिम नेताओं के साथ खिलवाड सिद्ध कर दिया है। चुनाव आते हैं तो जिले में कांग्रेस को वोट बैंक के लिए मुस्लिम ही दिखाई देते हैं। लेकिन जब ऐसी समितीयां की नियुक्ति पर मुस्लिम नेता को नजरअंदाज किया जाता है। कांग्रेस पार्टी ने मुस्लिम नेता के साथ खिलवाड़ किया है। इस तरह की चर्चा मुस्लिम तबके में जारी है। जिला में ऐसी छल कपट करने से कांग्रेस मुस्लिम नेताओं को घुटन सी महसूस हो रही है। बताया जा रहा है कि कुछ मुस्लिम लीडर राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी मे जाने के लिए साईड मोड़ पर है। राज्य कार्य समिति नियुक्त करने के लिए जिला बुलढाणा में मुस्लिम गद्दवार लीडरों के लिए लंबी लिस्ट तैयार हो सकती थी। लेकिन इसके बावजूद कांग्रेस के राज्य कार्य समिति मे नियुक्त नहीं किया गया। जिसे से मुस्लिम तबके में नाराजगी व्यक्त की जा रही है।

राकांपा के संगठनात्मक विकास के लिए सक्रिय रहें कार्यकर्ता: ॲड. काझी

बुलडाणा। पार्टी कार्यकर्ता राकांपा में एक महत्वपूर्ण कारक है। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष शरद पवार, प्रदेश अध्यक्ष जयंत पाटिल और जिला पालक मंत्री डॉ. राजेंद्र शिंगाने के आदेश पर जिले में पार्टी संगठन को मजबूत करने का अभियान शुरू किया गया है. इस संबंध में पार्टी कार्यकर्ताओं को पार्टी

के संगठन को बढ़ाने के लिए प्रयास करना चाहिए, जिलाध्यक्ष एड. नजर काजी ने किया। यहां 27 अगस्त को राकांपा की समीक्षा बैठक हुई थी। इस अवसर पर बोलते हुए जिलाध्यक्ष व. नाजीर काजी ने तालुका अध्यक्ष, शहर अध्यक्ष और अन्य पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं से पार्टी के विचारों को जनता के बीच फैलाकर पार्टी के विकास के लिए काम करने की अपील की। उन्होंने लोगों से आगामी जिला परिषद, पंचायत समिति और नगर पालिका चुनाव की तैयारी अभी से शुरू करने की भी अपील की.बैठक में महिला आघाडी जिल्हाध्यक्षा अनुजा सावळे, पक्षनिरीक्षक रविंद्र तोर, युवक जिल्हाध्यक्ष शेखर बोंद्रे, विद्यार्थी जिल्हाध्यक्ष भूषण दाभाडे, कामगार सेल जिल्हाध्यक्ष मनोज दाभाडे, अल्पसंख्याक जिल्हाध्यक्ष मोबिन अहमद, सामाजिक न्याय सेल जिल्हाध्यक्ष दिलीप झोटे, ओबीसी सेलचे जिल्हाध्यक्ष सुभाष देवडे, युवती जिल्हाध्यक्ष मीरा बाविस्कर, नियोजन समिती सदस्य आत्माराम कायंदे, विधानसभा अध्यक्ष गजानन पवार, पं. स.चे माजी सभापती विलासराव देशमुख, जि . प . सभापती दिनकर देशमुख, माजी नगराध्यक्ष एकनाथ चौधरी, भगवानराव सातपुते,बाजार समिती सभापती मधुकर गव्हाड, माजी नगराध्यक्ष सीताराम चौधरी, शेख यासीन सहित जिले के अन्य पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

राजस्थान हलचल

कायनात ह्यूमन डेवलपमेंट सोसाइटी को में करोना वॉलिंटियर के तहत प्रशंसा पत्र देकर किया सम्मान

संवाददाता/सैय्यद अलताफ हुसैन

भोपाल। भारत की जानी-मानी संस्था कायनात ह्यूमन डेवलपमेंट सोसाइटी को मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद एवं माननीय मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान जी के द्वारा चलाई गई मैं करोना वार्लंटियर अभियान के अंतर्गत समाजसेवी शेख फैयाज को किया गया सम्मान वैश्विक महामारी कोविड-19 के नियंत्रण हेतु मैं कोरोना वॉलिंटियर अभियान के अंतर्गत वॉलिंटियर के रूप में मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद स्मार्ट सिटी के सहयोग से आरकेडीएफ कॉलेज हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर में कायनात ह्यूमन डेवलपमेंट सोसाइटी ने सहायता केंद्र का आयोजन दिनांक 10अप्रैल 2021 से सहायता केंद्र के माध्यम से हजारों लोगों को सहायता केंद्र का लाभ मिला इसके

अलावा 2 साल से कोविड-19 की रोकथाम के लिए कायनात ह्यूमन डेवलपमेंट सोसाइटी हर तरीके से प्रयास कर रही है पिछले समय पूरे विश्व के लिए बहुत ही कठिन समय गुजरा है कोरो ना काल में मैं कोरोना वार्लंटियर ने समाज सेवा के क्षेत्र में अद्भुत कार्य किया है इसी को देखते हुए मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के महानिदेशक माननीय श्री बी आर नायडू सर कार्यपालक निदेशक माननीय श्री धीरेंद्र पांडे जी संभाग समन्वयक श्री वरुण आचार्य जी जिला समन्वयक कोकिला चतुर्वेदी विकासखंड समन्वयक श्री हरिराम अहिरवार विकासखंड फंदा इन सभी के द्वारा कायनात ह्यूमन डेवलपमेंट सोसाइटी के अध्यक्ष समाजसेवी शेख फैयाज को 15 अगस्त के उपलक्ष में मे कोरोना वार्लंटियर अभियान का प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित किया गया कायनात ह्यूमन डेवलपमेंट सोसाइटी निरंतर 10 सालों से स्वास्थ्य पर कार्य करती आ रही है 2 वर्ष से कोविड-19 महामारी में निरंतर कार्य कर रही है जिन लोगों ने इस महामारी को रोकने के लिए अपना बहुमूल्य योगदान दिया है संस्था उनको दिल से सलाम करती है इस महामारी को रोकने के लिए सभी लोगों ने बहुत प्रयास किया है।

मुस्लिम समाज ने कोविड 19 वेक्सिनेशन कैंप लगाया

रिपोर्टर सैय्यद अलताफ हुसैन

आमेट। नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमान कैलाश मेवाड़ा एवम मुस्लिम समाज द्वारा कोविड19 वेकसिनेशन केम्प अन्जुमन गौसिया रिज्विया में लगाया गया, उपखण्ड अधिकारी निशा सहारण एवम नगर पालिका चेयरमैन श्रीमान कैलाश मेवाड़ा द्वारा केम्प का शुभारंभ पार्षद ताहिर अली सोरगर के पहला टीका लगाकर शुरूवात की गई जिसमे पार्षद सुरेश सिंह खींची,प्रकाश खटीक,पार्षद पति पंकज टेलर,हिम्मत खटीक,यूथ कोंग्रेस जिला उपाध्यक्ष पुष्पेंद्र जांगिड़, कोंग्रेस युवा अध्यक्ष नारायण लाल,यूथ कोंग्रेस जिला महासचिव दीपक सरगरा,मुस्लिम महासभा के जाफर खान फौजदार,अहले सुन्नत वल जमाअत कोषाध्यक्ष इब्राहिम मंसूरी, हाफिज नवाबुल हसन,कोंग्रेस अल्पसंख्यक जिलाध्यक्ष अधिवक्ता शराफत हुसैन फौजदार,प्रदीप सिंह राठौड़,प्रमोद लक्षकार,डालचंद जाट, नूर मोहम्मद,प्रभु प्रकाश,अयूब रँगरेज,फारुख मंसूरी,अशफाक सोरगर,मंसूर शाह,फारुख शाह,इरफान छिपा,सद्दाम चाबुक सवार, अंसार मंसूरी,इरफान पठान,गोस मोहम्मद छीपा,ईमरान छीपा,जावेद खान, सिस्टर सरोज गुर्जर,कम्पोडर भेरूलाल रेगर,आशा सहयोगिनी दुर्गा रेगर, आशा शयोगनी शमीम बानू,जो दोपहर तीन बजे तक कुल टीका 124 लगवाया गया जिसमे 67 पुरुष व57 महिलाओं ने टीका लगवा कर लाभ लिया।

मेरठ हलचल

एआईएमआईम पार्टी के सच्चे सिपाही थे जुबैर अंसारी: शौकत अली

संवाददाता/अरमान उलहक

मेरठ। उत्तर प्रदेश के मेरठ में मीम नेता व निगम पार्षद की दिनदहाड़े गोली मारकर की हत्या की खबर सुनकर उत्तर प्रदेश के

ऑल इण्डिया मजलिस ए इत्तेहादुल मुस्लिमीन के प्रदेश अध्यक्ष शौकत अली ने मरहूम पार्षद जुबैर अन्सारी के मेरठ आवास पर पहुँच कर गम का इजहार कर खिराजे अकीदत पेश की और कहा कि पूरी पार्टी गम की इस घड़ी में पीड़ित परिवारजनों के साथ हैं परिवार के सदस्यों को कानूनी सहायता उपलब्ध करायेंगे और मरहूम के लिए मीम पार्टी इंसाफ की लड़ाई लड़ेगी और हत्याकांड में शामिल लोगों को कड़ी से कड़ी सजा दिलवाने का काम पार्टी करेगी।

भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के जिलाध्यक्ष सैयद शान अली ने बूथ अध्यक्षों को किया सम्मानित

संवाददाता/अरमान उलहक

सम्भल। भारतीय जनता पार्टी विधानसभा क्षेत्र संभल की बूथ सत्यापन हेतु योजना बैठक रविवार को विधानसभा मंडल हयातनगर के शक्ति केंद्र आचार्य

मुक्तेश हकीम रईस सरस्वती इंटर कालेज मनोकामना में आयोजित की गई। जिसमें बूथ संख्या दो सौ पच्चीस बूथ अध्यक्ष सय्यद शान अली बूथ संख्या दो सौ छब्बीस शकिलुर्रहमान मलिक बूथ संख्या दो सौ चौबीस शारब खान बूथ संख्या दो सौ इक्कीस वरिष्ठ भाजपा नेत्री श्रीमती परवीन जहाँ ने घर घर जाकर बूथ समिति के कार्यकर्ताओं का सत्यापन किया ओर इस दौरान प्रत्येक बूथ पर जाकर भाजपा नेता सैयद शान अली एवं भाजपा नेता मनोज शर्मा द्वारा भारतीय जनता पार्टी का झंडा भेंट कर बूथ अध्यक्ष का सम्मान किया गया एवं बूथ अध्यक्षों को पार्टी का पटका पहनाकर सम्मानित किया गया एवं आव्हान किया कि अपने बूथ को अधिक से अधिक मजबूत कर आगामी विधानसभा चुनावों में भाजपा का परचम लहराना है और पूर्ण बहुमत से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को दोबारा मुख्यमंत्री बनाना है इस दौरान भाजपा भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के जिला अध्यक्ष सैयद शान अली, जिला मंत्री खुर्शीदा बेगम कार्यालय अध्यक्ष शकील उर रहमान मलिक भाजपा नेता मनोज शर्मा आदि भाजपाई मौजूद रहे।

रामपुर हलचल

मुख्य मार्ग पर हर दिन होता है दुर्घटना

संवाददाता/नदीम अख्तर

टाण्डा। नगर का मुख्य जो एक प्रदेश से होकर दूसरा प्रदेश उत्तराखंड को जोड़ता हैं मुख्य मार्ग पर खनन आदि से लोडिड व खाली वाहन तेज रफ्तार फर्राटा दौड़ के साथ दौड़ाये जाते हैं अनिययंत्रित होने पर छोटे बड़े वाहनों से टकरा जाते हैं छोटे बड़े वाहनों का आवागमन भी लगातार जारी रहता है अक्सर डी सी एम व डम्पर आदि की टक्कर से एक्सीडेंट जैसी घटनाऐं घटित होती रहती हैं डम्पर आदि छोटे वाहन वालों को मार कर चले जाते हैं अधिक्तर अज्ञात वाहन के रूप में मुकदमा पंजीकृत कर दिया जाता हैं तेज फर्राटा रफतार भरने वालें डम्पर अधिक्तर ऐक्सीडेंट की घटना को अन्जाम देते रहते हैं घटना की सूचना पाकर मौके पर पुलिस अपना स्थान ग्रहण कर लेती है पँचनामा आदि के रूप में मृतक का पोस्मार्टम हेतु जिला मुख्यालय भेज दिया जाता हैं मार्ग पर किसी भी प्रकार की रोकथाम न होने के चलते घटनाऐं होने का क्रम लगातार जारी रहता है एक्सीडेंट की सूचना घर परिवार मच जाता हैं खनन आदि से लदे वाहनों की क्रासिंग आदि को लेकर पुलिस प्रशासन अपना धन इकठठा करने में लगा रहता है।

समस्तीपुर हलचल

कल्याणपुर थाना परीसर में पंचायत चुनाव को देखते हुए विशेष बैठक

समस्तीपुर (जकी अहमद)। कल्याणपुर थाना परिसर में रविवार को पंचायत चुनाव के मद्देनजर एसडीओ रविंद्र कुमार दिवाकर व डीएसपी प्रीतिश कुमार ने तीन थानों के पुलिस पदाधिकारियों सहीत चौकीदारों का पैरेड किया। मौके पर उपस्थित चौकीदारों से गांव स्तर पर शराब कारोबार से संलिप्त सभी व्यक्तियों को चिन्हित करने, उसका नाम थाना में उपलब्ध कराने का निर्देश दिया।ताकि पंचायत चुनाव के दौरान गड़बड़ियों पर नकेल लगाई जा सके। साथ ही साथ सस्पेक्टेड लोगों के विरुद्ध धारा 107 की कार्रवाई सुनिश्चित करने का भी निर्देश दिया मौके पर एसडीओ ने जोर देते हुए कहा कि हर हाल में जितने अवांछित तत्व है उनकी एक सूची प्रत्येक थानों में उपलब्ध रहनी चाहिए इसके लिए सभी चौकीदार अपने स्तर से अपने क्षेत्र के लोगों का नाम थाना में दर्ज करा दें। ऐसा नहीं करने वालों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की चेतावनी भी दी। मौके पर कल्याणपुर थाना अध्यक्ष परमानंद लाल कर्ण, चकमेहसी थानाध्यक्ष चंद्रप्रकाश टूडू व पूसा थानाध्यक्ष निशा भारती उपस्थित रहे।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

मानसून में तेजी से फैलता है यह रोग

लक्षण जानकर ऐसे करें बचाव

हेपेटाइटिस लीवर से संबंधित एक संक्रमित बीमारी हैं, जिसे हेपेटाइटिस ए, बी, सी, डी, और ई के रूप में भी जाना जाता है। लीवर को प्रभावित करने वाली इस बीमारी के कारण लीवर में सूजन और असहनीय दर्द की समस्या देखने को मिलती है। इस बीमारी के कारण हर साल दुनियाभर में करीब 14-15 लाख लोग अपनी जान गंवा देते हैं। ज्यादातर लोगों को इस बीमारी के कारण और लक्षण पता नहीं होते, जिसके कारण वह इसकी चपेट में आ जाते हैं। लोगों को इस बीमारी के प्रति जागरूक करने के लिए आज दुनियाभर में विश्व हेपेटाइटिस दिवस मनाया जा रहा है। 'वर्ल्ड हेपेटाइटिस डे' के मौके पर हम भी आपको इसके लक्षण, कारण और कुछ घरेलू उपचार बताएंगे, जिससे आप इस बीमारी से बच सकते हैं।

हेपेटाइटिस के कारण :

1. लीवर के इंफ्लैममेशन के कारण हेपेटाइटिस रोग होता है। इसके अलावावायरल इंफैक्शन के कारण भी इस रोग का खतरा बढ़ जाता है।
2. अल्कोहल का सेवन सीधे लीवर और मेटाबॉलिज्म को प्रभावित करता है। इसलिए ज्यादा मात्रा में अल्कोहल का सेवन हेपेटाइटिस का खतरा बढ़ा देता है।
3. कुछ दवाईयां जैसे एसिटामिनोफेन का बहुत ज्यादा सेवन भी इस बीमारी का कारण बन सकता है। इसके कारण विषाक्त पदार्थ शरीर से बाहर नहीं निकल पाते और शरीर के कई हिस्सों में सूजन भी आ जाती है।
4. दूषित भोजन और पानी के जरिए भी यह बीमारी हो सकती है। हेपेटाइटिस के मामले गर्मी और बरसात के मौसम में ज्यादा सामने आते हैं, क्योंकि इन मौसमों में पानी काफी प्रदूषित हो जाता है।
5. गलत खान-पान का असर भी हेपेटाटिस रोग का कारण बनता है। गलत खान-पान का सीधा असर लीवर पर पड़ता है, जिससे आप इस बीमारी की चपेट में आ सकते हैं।

हेपेटाइटिस के लक्षण
भूख कम लगना
वजन का घटना
पेट दर्द और सूजन
त्वचा में खुजली होना
पीलिया की समस्या होना
मूत्र का रंग गहरा हो जाना
बहुत ज्यादा थकान होना
मतली और उल्टी आना
त्वचा और आंखों का पीला पड़ जाना

हेपेटाइटिस का घरेलू इलाज

1. कपूर
हेपेटाइटिस के मरीज के लिए कपूर काफी फायदेमंद माना जाता है। गेहूं के दाने बराबर कपूर को शहद के साथ मिलाकर मरीज को दें। इससे उसे काफी फायदा मिलेगा।
2. तुलसी के पत्ते
तुलसी के पत्ते को पीसकर उसे मूली के रस के साथ हेपेटाइटिस रोगी को दें। नियमित रूप से इसका सेवन इस रोग को दूर कर देगा।
3. हरा धनिया
हरा धनिया और 8-10 तुलसी के पत्तों को 4 लीटर पानी में उबालकर मरीज को पीने के लिए दें। दिन में 2-3 बार इसका सेवन करने से मरीज को फायदा पहुंचता है।
4. गन्ने का रस
गन्ने के रस के साथ तुलसी लेने से भी हेपेटाइटिस से लड़ने की ताकत मिलती है। गन्ने के रस में तुलसी के पत्ते का पेस्ट मिलाकर करीब 15-20 तक रोगी को पिलाएं।

एड्स से भी गंभीर है यह बीमारी, हो जाए सतर्क

असुरक्षित शारीरिक संबंध बनाने से कई तरह की बीमारियां फैल रही हैं, जिसमें से सबसे आम है एड्स की बीमारी। असुरक्षित शारीरिक संबंध बनाने से होने वाली इन बीमारियों की सबसे बड़ी वजह होती है लोगों में जानकारी का अभाव लेकिन क्या आप जानते है कि शारीरिक संबंध बनाने से एड्स से गंभीर बीमारी भी हो सकती हैं। शारीरिक संबंध बनाने से फैलने वाली माइकोप्लाज्मा जेनेटीलियम नाम की नई बीमारी ने डॉक्टरों को चिंता में डाल दिया हैं। एड्स से ज्यादा खतरनाक यह बीमारी यूरोप में तेजी से फैल रही हैं। डॉक्टर्स का मानना है कि अगर इसका असरदार इलाज न ढूंढा गया तो अगले पांच साल तक यह गंभीर बीमारी का रूप ले लेगी। यूरोप की एक संस्था के अनुसार, एमजी शरीरिक संबंध बनाने या गुप्त अंगों के संपर्क से फैलती हैं। एंटीबायोटिक्स की एक निश्चित डॉज देकर इस बीमारी का इलाज किया जा सकता हैं परन्तु कुछ मामलों में सही इलाज न मिलने से इस घातक बीमारी को कंट्रोल करना मुश्किल हो सकता हैं।

क्या है माइकोप्लाज्मा जेनेटीलियम?
माइकोप्लाज्मा जेनेटीलियम के कारणों को पहचाना नहीं जा सकता लेकिन यह बीमारी पूरी तरह नई नहीं है। रोग कंट्रोल एंड रोकथाम केन्द्र के अनुसार, 1980 में पहली बार इस बीमारी की पहचान की गई थी। यह बीमारी क्लैमाइडिया(chlamydia) व प्रमेह (Gonorrhea) जैसी है। अगर इसके लक्षणों की बात करें तो क्लैमाइडिया के लक्षणों के साथ ही शारीरिक संबंध बनाने के बाद खून निकलना और यूरिन पास करते वक्त तेज दर्द होना अन्य आदि हैं। इस बीमारी से प्रभाविक लोगों को बांझपन, गुप्त अंगों में जलन अन्य आदि कई प्रॉबलम्स हो सकती हैं। एमजी का वायरस मुख्य तौर पर शारीरिक संबंधी बनाने से फैलता है। इअरलल्ट के अनुसार, यह बीमारी ओरल सेक्स के साथ भी फैल सकती हैं।

ऐसी 5 बड़ी बीमारियां जिससे हर महिला को रहना चाहिए Alert

इस भागदौड़-भरी लाइफ और बिजी शेड्यूल के कारण महिलाएं अपने लिए समय ही नहीं निकाल पाती। मगर बढ़ती उम्र का असर सिर्फ चेहरे पर ही नहीं बल्कि सेहत पर भी पड़ता है। 40-45 की उम्र के बाद महिलाओं को कई बीमारियों का खतरा हो सकता है। क्योंकि 30-45 साल की आयु के बाद महिलाओं के शरीर में कई तरह के बदलाव आते हैं। इसलिए उम्र के इस पड़ाव पर महिलाओं को अपनी सेहत का खास ख्याल रखने की जरूरत होती है। ऐसे में आज हम आपको कुछ ऐसी बीमारियों के बारे में बताने जा रहे हैं, जिससे हर महिला को सावधान रहना चाहिए और इनके लक्षण दिखने पर तुरंत चेकअप करवाना चाहिए।

1. ब्रैस्ट कैंसर - औरतों में ब्रैस्ट कैंसर होने का खतरा पुरूषों के मुकाबले बहुत ज्यादा होता है। बदलते लाइफस्टाइल और गलत खानपान के कारण महिलाएं तेजी से इस बीमारी की चपेट में आ रही है। इसलिए महिलाओं को इस बीमारी से बचने के लिए समय-समय पर ब्रेस्ट का अल्ट्रासाउंड या मेम्मोग्राम करवाना चाहिए। ब्रैस्ट में किसी भी तरह की बीमारी का पता चल जाए और समय रहते समस्या का समाधान भी किया जा सकता है।

2. सर्वाइकल कैंसर - सर्वाइकल कैंसर एक ऐसी बीमारी है जो महिलाओं को किसी भी उम्र में हो सकती है। 35 साल की उम्र के बाद महिलाओं को इसका खतरा सबसे ज्यादा होता है। औरतों के लापरवाही बरतने के कारण उनमें यह कैंसर तेजी से बढ़ता जा रहा है। इसलिए हर महिला को 18 साल की उम्र के बाद से हर तीन साल पर पैप स्मीयर टेस्ट टेस्ट कराना ही चाहिए।

3. एंडोमेट्रिओसिस - एंडोमेट्रियोसिस गर्भाशय में होने वाली समस्या हैं। इसके कारण महिलाओं को भारी परेशानी उठानी पड़ती है, वहीं यह बीमारी इंफर्टिलिटी का कारण भी बन सकता है। यह समस्या किसी बाहरी संक्रमण के कारण नहीं बल्कि शरीर की आंतरिक प्रणाली में कमी के कारण होती है। इस बीमारी से सावधान रहने के लिए हर महिला को समय-समय पर सोनोग्राफी या लैप्रोस्कोपी टेस्ट करवाना चाहिए।

4. एनीमिया और कुपोषण - एनीमिया और कुपोषण महिलाओं के लिए साइलेंट किलर डिसीज है। महिलाओं को यह समस्या पुरूषों से ज्यादा प्रभावित करती है। इसलिए इनके लक्षण दिखते ही तुरंत जांच करवानी चाहिए। इसके अलावा इससे बचने के लिए अनी सेहत का ध्यान रखें और हैल्दी डाइट लें।

5. दिल के रोग - घर हो या ऑफिस, वर्क प्रैशर के कारण महिलाएं ज्यादा स्ट्रेस ले लेती हैं, जिसके कारण वह तनाव, डिप्रैशन के साथ हाइपरटेंशन की भी शिकार हो जाती है। इससे महिलाओं को हार्ट डिसीज होने का खतरा भी बढ़ जाता है। इसके अलावा हार्मोन्स में बदलाव और गलत लाइफस्टाइल के कारण भी महिलाओं को दिल के रोग होने का सबसे ज्यादा खतरा रहता है। इसलिए समय-समय पर दिल की जांच करवाते रहें।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

तापसी का रिएक्शन

अपनी बेबाकी के लिए मशहूर बॉलिवुड ऐक्ट्रेस तापसी पन्नू और सिंगर सोना महापात्रा ने छत्तीसगढ़ हाई कोर्ट की हालिया टिप्पणी पर हैरत जाहिर की है। हाई कोर्ट ने एक केस की सुनवाई करते हुए कहा था कि पत्नी के साथ उसकी बिना मर्जी के जबरन शारीरिक संबंध बनाना रेप नहीं माना जा सकता है। एक 37 साल की महिला ने अपने पति पर जबरन सेक्स करने, मारपीट करने और दहेज की मांग करने का आरोप लगाया था। कोर्ट ने इसी मामले की सुनवाई में यह टिप्पणी की थी। बॉलीवुड एक्ट्रेस तापसी पन्नू सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं और वह हर मुद्दे पर अपनी राय रखने से पीछे नहीं हटती हैं। कोर्ट के इस फैसले पर भी उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट किया है। तापसी ने इस मामले में एक न्यूज क्लिप को शेयर करते हुए अपने ट्वीट में लिखा, बस अब यही सुनना बाकी था। कोर्ट की इस टिप्पणी पर मशहूर सिंगर सोना महापात्रा ने भी नाराजगी जाहिर की है। सोना ने ट्वीट करते हुए लिखा, 'इसे पढ़कर मुझे जो घटियापन महसूस हो रहा है उसे मैं यहां लिख नहीं सकती।' तापसी पन्नू के अलावा सिंगर सोना मोहापात्रा ने भी सोशल मीडिया पर अपना गुस्सा जाहिर किया है। उन्होंने ट्वीट किया– इस भारत को पढ़कर मुझे जो बीमारी महसूस हो रही है। वह किसी भी चीज से परे है जिसके बारे में मैं लिख सकती हूं।

डिब्बाबंद हुई विक्की कौशल और सारा अली खान की 'अश्वत्थामा'

बॉलीवुड एक्टर विक्की कौशल बीते कई दिनों से अपनी फिल्म 'द इम्मोर्टल अश्वत्थामा' को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। इस फिल्म में विक्की के साथ सारा अली खान नजर आने वाली थीं। वहीं अब इस फिल्म को लेकर एक चौंकाने वाली खबर सामने आई है। खबरों के अनुसार निर्देशक आदित्य धर के निर्देशन में बनने वाली 'द इम्मोर्टल अश्वत्थामा' डिब्बा बंद हो चुकी है। इस फिल्म के बंद होने के कारण मेकर्स को भारी नुकसान भी उठाना पड़ रहा है। अश्वत्थामा के मेकर्स को करीब 30 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है। खबरों के अनुसार फिल्म के प्रोड्यूसर रॉनी स्क्रूवाला इस प्रोजेक्ट पर लगभग 30 करोड़ खर्च कर चुके हैं और जब उन्होंने फिल्म पूरा बजट जोड़ा तो उन्हें लगा कि यह काफी महंगी फिल्म हो जाएगी। कोविड की वजह से पहले ही फिल्में सिनेमाघरों में बिजनेस नहीं कर पा रही हैं। ऐसे में बताया जा रहा है कि रॉनी स्क्रूवाला रिस्क लेने के मूड में नहीं हैं और वो 30 करोड़ का नुकसान सहने के लिए तैयार हैं। वह फिल्म का प्रोडक्शन शुरू करके और रुपए का नुकसान हीं उठाना चाहते हैं। इस फिल्म के बजट को लेकर खबर आई थी कि इसका बजट करीब 300 करोड़ रुपए होने वाला था।

'अय्यप्पनम कोशियुम' के हिन्दी रीमेक से बाहर हुए अभिषेक बच्चन

अभिषेक बच्चन और जॉन अब्राहम की जोड़ी कई हिट फिल्मों में साथ नजर आ चुकी है। बीते दिनों खबर आई थी कि अभिषेक बच्चन और जॉन अब्राहम साउथ की हिट फिल्म 'अय्यप्पनम कोशियुम' के हिन्दी रीमेक में साथ नजर आने वाले हैं। गहालांकि अब फैंस के लिए थोड़ी निराश करने वाली खबर सामने आई है। ताजा खबरों के अनुसार अभिषेक बच्चन इस फिल्म से बाहर हो गए हैं। फिल्म की शूटिंग इसी नवंबर में शुरू होने वाली थी। बताया जा रहा है कि अभिषेक बच्चन जॉन के साथ फिल्म करने के लिए काफी एक्साइटेड थे, लेकिन ये फिल्म इंडस्ट्री है यहां कुछ भी पॉसिबल है। फिल्म अय्यप्पनम कोशियुम की टीम अभिषेक के रिप्लेसमेंट की तलाश रही है। मेकर्स का मानना है कि वो तय शेड्यूल के मुताबिक ही शूटिंग शुरू करेंगे।

A.B.V.M. AGRAWAL JATIYA KOSH'S
G.D. JALAN COLLEGE OF SCIENCE & COMMERCE
Estd. : 2011
A sister concern of S. J. PODDAR ACADEMY (ICSE)
Admissions Open for Academic Year 2021-2022
F.Y.J.C. / S.Y.J.C. (Science & Commerce)
B.M.S. / B.A.F. / B.Sc. (I.T.)
B.Com. / B.Sc. (CBZ)
COLLEGE CODE : 527
Upper Govind Nagar, Malad (East), Mumbai – 400097.
Phone No.: 022- 40476030
www.gdjalan.edu.in